an>

Title: Need to take steps for revival of Fertilizers Plant in Barauni, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) ः बिहार में बंद बरौनी ऊर्वरक कारखाना 13 वर्षों से राम के चरणें के स्पर्श की प्रतीक्षा कर रहा है। माननीय अटल जी के प्रधानमंत्री काल में 2002 ई. में गैस आधारित यूरिया कारखाना स्थापित करने के लिए यह बंद किया गया था। भारतीय संसद में बिहार की जनता को उस समय यही आश्वासन मिला था।

प्रधानमंत्री जी ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए बरौनी ऊर्वरक कारखाना को चालू करने की घोषणा भी की थी। अपनी घोषणा के कार्यान्वयन के लिए उन्होंने कई कदम भी उठाये। हल्दिया-जगदीशपुर गैस पाईप लाइन को बरौनी की ओर मोड़ने के कदम भी उठे। पटना में इसके कार्यालय भी खुले। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने इसका उद्घाटन भी किया। विभागीय मंत्री द्वारा बरौनी में ऊर्वरक कारखाने के परिसर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए घोषणा की गई कि 4 वर्षों में इसमें उत्पादन होने लगेगा। केंद्रीय मंत्री परिषद ने भी इसको पुनर्जीवित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे डाली, किंतु अभी भी यह बीमार उद्योगों की कतार में 9000 करोड़ के कर्ज के साथ पड़ा है। जब तक 9000 करोड़ रूपए का भुगतान भारत सरकार नहीं करेगी तब तक यह कारखाना उसकी गिरफ्त से बाहर नहीं आ सकता। इसके बाद ही नये कारखाने की निविदा और कैबिनेट का कार्यादेश प्राप्त होगा। अतः भारत सरकार के माननीय प्रधान मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि वे इस कारखाने को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस कार्रवाई करें। इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूँ।